हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com

Sanskardhani Bhoomi - 18 Mar 2026 - Page 5

जाएगा। | घनश्याम साहू ने बताया कि ज्ञापन में करना, जर्जर बस स्टैंड का एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिले में ड्राई-डीएसआर तकनीक पर विशेष प्रशिक्षण

किसानों को कम पानी में अधिक धान उत्पादन के सिखाए गुर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

किसानों को आधुनिक खेती से जोड़ने और धान उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से शहर के एक निजी होटल में एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम छत्तीसगढ़ एग्रीकॉन समिति और किसान क्राफ्ट लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ, जिसमें जिले भर से बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने सूखी सीधी बुवाई धान तकनीक पर विस्तार से जानकारी दी। बताया गया कि इस पद्धति से पारंपरिक रोपाई की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है, वहीं श्रम और लागत में भी कमी आती है। कम वर्षा वाले क्षेत्रों के लिए यह तकनीक विशेष रूप से उपयोगी मानी जा रही है। विशेषज्ञों ने प्रोजेक्टर के माध्यम से पारंपरिक खेती और आधुनिक हाईटेक तकनीकों के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए किसानों को उन्नत कृषि उपकरणों एवं नवीन पद्धतियों से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि ड्राई-डीएसआर तकनीक में बीजों की सीधी बुवाई की जाती है, जिससे रोपाई की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और फसल जल्दी तैयार होती है। साथ ही इंटरक्रॉपिंग के माध्यम से अतिरिक्त आय की संभावना भी बढ़ती है। कार्यशाला में यह भी जानकारी दी गई कि इस तकनीक को अपनाने से प्रति हेक्टेयर 15 से 39 हजार रुपए तक की बचत संभव है।

इसके अलावा यह पद्धति ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने में सहायक होने के कारण पर्यावरण के अनुकूल भी है। किसान क्राफ्ट लिमिटेड के चेयरमैन रविंद्र अग्रवाल ने किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उन्नत खेती और आधुनिक उपकरणों के उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण में शामिल किसानों ने कार्यक्रम में गहरी रुचि दिखाई और खेती से जुड़े विभिन्न विषयों पर सवाल-जवाब किए। किसान भागवत चंद्राकर एवं सोनी कुमार वर्मा सहित अन्य किसानों ने इस पहल को लाभकारी बताते हुए कहा कि इससे कम लागत में अधिक उत्पादन की दिशा में नई राह खुलेगी।

कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों एवं छत्तीसगढ़ एग्रीकॉन समिति के प्रतिनिधियों ने बताया कि संस्था ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में कृषि विकास, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आजीविका सुधार के लिए लगातार कार्य कर रही है। इस पहल से किसानों में आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रति जागरूकता बढ़ी है, जिससे भविष्य में धान उत्पादन और किसानों की आय में सकारात्मक वृद्धि की उम्मीद जताई जा रही है।